विषय–सूची

संदेश 13

प्रस्तावना 17

आभार/निवेदन 29

प्रथम खण्ड

सृष्टिदेव वैदिक विश्वकर्मा

अध्याय-1 भारोपीय काल के देवता एवं विश्वकर्मा 33

1. विश्वकर्मा-ब्युत्पत्ति एवं अवधारणा 33
2. दिव्यात्मा द्वारा पँचमुखी विश्वकर्मा का वर्णन 37
3. अमैथुनी सृष्टि 40
4. मैथुनी सृष्टि 42
5. पंपापुर में विश्वकर्मा का जन्म 46

अध्याय-2 निर्माण एवं संरचना 53

1. अनेकानेक विमानों की संरचनाएँ 53
2. दिव्यास्त्रों का निर्माण 55
3. विश्वकर्मा द्वारा अस्त्र बनाकर देना 57
4. विश्वकर्मा द्वारा पुष्पक विमान का वर्णन 58
5. हिमालय के अनेक तीर्थ स्थलों का निर्माण एवं भ्रमण 61
6. मानसरोवर का वर्णन 64
7. सृष्टि निर्माण से लेकर अब तक की कथा 65
8. दिव्य शक्ति का सन्देश 69

अध्याय-3 वेद पुराण अन्य ग्रंथों में सृष्टि निर्माता 77

1. वैदिक एवं पौराणिक ग्रंथों में विश्वकर्मा 77
2. विश्वकर्मा शब्दार्थ एवं शिल्पीकुल वंशावली 82

3. महर्षि विश्वकर्मा एवं शिल्प कर्म का महत्व 95
4. प्रजापति विश्वकर्मा (त्वष्टा) का सर्जक रूप 102
5. विश्वकर्मा पुत्र नल और नील 112

अध्याय-4 विश्वकर्मा वंश-गोत्र सूत्र-शासन 117

1. विश्वकर्मा वंशावली 119
2. मनुवंश के गोत्र-शासन 120
3. विश्वकर्मा जाति बोधक विभिन्न नामो (गोत्र-शासन सूची) 125
4. जाति गोत्र शासन की समीक्षा 129

अध्याय-5 लोक व्यवस्था और कर्म बंधन 135

1. सृष्टिकर्ता विश्वकर्मा एवं कर्म बंधन 135
2. विश्वकर्मा पूजा जयन्ती 143
3. विश्वकर्मा वंशजों का पतन, कारण व निवारण 151
4. चिंतन एवं विचार 156

द्वितीय खण्ड

प्रारम्भिक विश्वकर्मा समाज एवं द्रविण-आर्य-अनार्य

अध्याय-6 प्रारम्भिक विश्वकर्मा समाज 161

1. पाषाण युग 163
2. मध्य पाषाण युग 164
3. नव पाषाण युग 164
4. ताम्र युग 165
5. धातु काल 166
6. पुरोहित काल 166

अध्याय-7 सैंधव सभ्यता-उत्थान और पतन 169

1. द्रविण और सैंधव सभ्यता 171
2. सिंधु सभ्यता की विशेषताएँ 172

3. सिंधु सभ्यता में जातियाँ 175
4. सिन्धु सभ्यता का पतन 177
5. नैसर्गिक विचार 178

अध्याय-8 भारतीय समाज में विश्वकर्मा 181

1. भारतीय जाति व्यवस्था 181
2. भारतीय वर्णाश्रम में जातीय संकीर्णता 186
3. भारत में सामाजिक न्याय 193
4. विश्वकर्मा समाज-समस्यायें और संभावनाएँ 202
5. समाज संगठन के प्रतिमान 213
6. अपेक्षित कदम 221

तृतीय खण्ड

मध्ययुगीन भारतीय समाज एवं विश्वकर्मा बंशज की प्रमाणिकता

अध्याय-9 विश्वकर्मा संस्कृति, आहार-विहार 233

1. विश्वकर्मा समाज-सभ्यता एवं संस्कृति 233
2. रहन-सहन 235
3. खान-पान 237
4. वेश-भूषा 239
5. घर-मकान 241
6. शिक्षा-दीक्षा 242
7. कला कौशल 243
8. व्यापार 244
9. चाल-चलन और आदत 247

अध्याय-11 विश्वकर्मा समाज का आधुनिक स्वरूप 249

1. विश्वकर्मा जाति के उत्पत्ति की अवधारणा 249
2. भारतीय वांगमय में विश्वकर्मा का स्वरूप 261
3. सर्व समाज में सम्मान एवं सत्ता में भागीदारी 265

4. सत्ता में भागीदारी की समीक्षा 268

अध्याय-11 भारतीय इतिहास में विश्वकर्मा 275

1. सिकन्दर और विश्वकर्मा जाति 275
2. महमूद गजनवी और विश्वकर्मा जाति 281
3. तैमूरलंग और शिल्पकार 288
4. मध्य काल में विश्वकर्मा जाति 294
5. पाँचाल देश की खोज 300
6. गाडिया लोहारों का शौर्य एवं पराक्रम 301
7. तथ्यपरक इतिहास लेखन की विवशता 305

अध्याय-12 आधुनिक जाति व्यवस्था में विश्वकर्मा समाज 309

1. विकास का इतिहास 309
2. विश्वकर्मा जाति की कुरीतियाँ 317
3. दहेज प्रथा 318
4. भोज-भात 320
5. मृत्यु भोज 322
6. भूत पिशाच 322
7. अजातीय प्रथा 323
8. पंचायती व्यवस्था 324
9. समाज का विकास कैसे हो? 327
10. शिल्प ध्वज 329
11. विकास की नई अवधारणा एवं चुनौतियाँ 330
12. हमारा लक्ष्य और विश्वकर्मा समाज 337

चतुर्थ खण्ड

अद्वितीय कला कृतियां

अध्याय-13 वास्तु कला, स्थापत्य कला, शिल्प कला, ललित कलायें 343

1. खजुराहों की वाराह मूर्ति 343
2. प्राचीन दुर्ग निर्माण एवं शिल्पी विरासत 344
3. देश के प्रमुख किले 348
4. विजयगढ़ का किला 349
5. राजा नल का बसाया नलग्राम 351
6. जैसलमेर की विशाल हवेलियां 352
7. आध्यात्मिक क्रांति का साक्षी सारनाथ 353

अध्याय-14 विश्वकर्मा समाज की विभूतियाँ 357

1. 1857 एवं स्वाधीनता संघर्ष में कारीगरों की भूमिका 357
2. स्वतंत्रता समर में विश्वकर्मा बंशजों की कुर्बानियाँ 362
3. महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया 373
4. महामहिम ज्ञानी जैल सिंह राष्ट्रपति 375
5. संत स्वामी कल्याण जी महाराज 379
6. नेत्र विशेषज्ञ डा. विधेश्वर ठाकुर 384
7. डा. गुरुरामजी विश्वकर्मा मधुकर
(राष्ट्रीय चिंतक एवं इतिहासकार) 387

पंचम खण्ड

पुरातात्विक श्रोत एवं संसाधन

अध्याय-15 पौराणिक ग्रंथ एवं शिल्प शास्त्र 393

1. वैदिक एवं पौराणिक ग्रंथ 393
2. वास्तु एवं शिल्प शास्त्र 396
3. वास्तु एवं शिल्प शाखा 399
4. पुरातात्विक स्रोत एवं अभिलेख 405
5. शिल्प इतिहास में विश्वकर्मा 410
6. समीक्षा 413

संदर्भ-ग्रंथ-सूची 427